भारत सरकार
पृथ्वी विज्ञान मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न सं. 1322
31/07/2025 को उत्तर दिए जाने के लिए

नीली अर्थव्यवस्था पर श्वेत पत्र

1322. श्री नारायण कोरागप्पा:
श्रीमती माया नारोलिया:

क्या **पृथ्वी विज्ञान** मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि:

(क) मंत्रालय का '' ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाज़ ब्लू इकॉनोमी: इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एंड सस्टेनेबल ग्रोथ'' नामक श्वेत पत्र, किस प्रकार से सतत और आर्थिक विकास के लिए भारत के समुद्री संसाधनों की क्षमता को प्रकट करने का लक्ष्य रखता है;

(ख) क्या श्वेत पत्र में विभिन्न महासागर-संबंधित क्षेत्रों में सतत विकास को बढ़ावा देने में 25 मंत्रालयों, तटीय राज्यों और संघ राज्य क्षेत्रों के सहयोगात्मक प्रयासों पर प्रकाश डाला गया है; और

(ग) यदि हाँ, तो श्वेत पत्र में चिह्नित की गई विशिष्ट पहलों या मॉडलों का ब्यौरा क्या है जो आर्थिक विकास और पर्यावरणीय स्थिरता दोनों को प्राप्त करने की क्षमता दर्शाते हैं?

उत्तर
विज्ञान एवं प्रौद्योगिकी तथा पृथ्वी विज्ञान राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार)
(डॉ. जितेंद्र सिंह)

(क) मंत्रालय के ''ट्रांसफॉर्मिंग इंडियाज़ ब्लू इकॉनोमी: इन्वेस्टमेंट, इनोवेशन एंड सस्टेनेबल ग्रोथ'' नामक श्वेतपत्र का उद्देश्य यह है कि ब्ल्यू अवसंरचना, अनुसंधान और समुद्री नवाचार में सतत् निवेश का रणनीतिक लाभ उठाकर भारत के समुद्री संसाधनों की संभावित क्षमता का सदुपयोग किया जाए। इसमें सार्वजनिक-निजी साझेदारी तथा लक्षित वित्तीय तंत्रों को बढ़ावा देने पर बल दिया गया है। इस पत्र में वर्ष 2035 के लिए एक रोडमैप बनाया गया है, जिसके अंतर्गत व्यवहार्य परियोजनाओं को वरीयता दी जाएगी तथा निवेशकों में विश्वास पैदा किया जाएगा, ताकि राष्ट्र के विकास हेतु एक महत्वपूपर्ण इंजन के रूप में नीली अर्थव्यवस्था स्थापित की जा सके।

(ख) जी हां। इस श्वेत पत्र में 25 केंद्रीय मंत्रालयों / विभागों, तटवर्ती राज्यों, तथा संघ राज्य क्षेत्रों को शामिल करते हुए विभिन्न समुद्री क्षेत्रों के बीच सहयोगपूर्ण प्रयासों की पुष्टि की गई है।

(ग) इस श्वेत पत्र में आर्थिक वृद्धि एवं पर्यावरणीय संवहनीयता दर्शाने वाले विशिष्ट मॉडलों की पहचान की गई है।

- **ओडिशा में समुदाय के नेतृत्व में समुदी घास की खेती**: मछुआरों के पास मछली के घटते स्टॉक को ध्यान में रखते हुए बनायी गई इस पहल का लक्ष्य यह है कि मछुआरा समुदाय की सामाजिक-आर्थिक संवेदनशीलता पर कार्य किया जाए, इसके लिए उन्हें एक कम निवेश, उच्च प्रभाव वाली वैकल्पिक आजीविका के रूप में समुद्री घास की खेती का विकल्प प्रदान किया गया है। यह 10,000 से अधिक तटीय परिवारों को अतिरिक्त आय प्रदान करता है, तथा ऐसा आकलन है कि यह डिजॉल्व्ड कार्बन डाईऑक्साइड को अवशोषित कर लेगा, जिससे जलवायु परिवर्तन शमन में योगदान मिलेगा, तथा जल की गुणवत्ता बेहतर होगी।

- **कोची का स्मार्ट पोर्ट रूपांतरण**: डिजिटल ट्विन प्रौद्योगिकी को एकीकृत करने से प्रचालन दक्षता में सुधार हुआ है, पोतों के लिए प्रतीक्षा समय में कमी आयी है, तथा संसाधनों का बेहतर उपयोग हुआ है, जिससे सटीक पर्यावरणीय निगरानी के माध्यम से संवहनीयता में सुधार हुआ है।

- **अलंग, गुजरात का शिपब्रेकिंग रूपांतरण**: हाँगकाँग अंतर्राष्ट्रीय कन्वेंशन मानकों का पालन करते हुए अलंग अब रिसोर्स रिकवरी को मैक्सिमाइज करता है, इसमें स्टील एवं नॉन-फेरस मेटल्स को वापस आर्थिक चक्र तक पहुंचाया जाता है, तथा जोखिमकारी अपशिष्ट को समर्पित फैसिलिटीज एवं बायोमेडिएशन के माध्यम से प्रबंधित किया जाता है, ताकि पर्यावरण पर कम से कम प्रभाव पड़े।

- **अंडमान एवं निकोबार द्वीपसमूह का संवहनीय पर्यटन**: पर्यावरण-अनुकूल अवसंरचना तथा समुदाय चालित पर्यावरण टूर जैसी पहलों से महत्वपूर्ण राजस्व एवं रोजगार सृजित हुई हैं, साथ ही एकल-उपयोग प्लास्टिक्स पर प्रतिबंध लगाने से एवं समुद्री संरक्षित क्षेत्र (एमपीए) से कोरल रीफ संरक्षित हुआ है तथा टूरिस्ट-जोन अपशिष्ट में कटौती आई है।

*****